सेट–4

हायर सेकेण्डरी परीक्षा

Higher Secondary Exam

विषय – पुस्तपालन एवं लेखाकर्म

Book Keeping & Accountancy

समय :– 3 घण्टे	पूर्णांक – 100
Time – 3 hrs	M.M. - 100

निर्देश :–

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न के अंक प्रश्न के सम्मुख दर्शाये गये हैं।

(2) 4 अंकों के प्रश्नों हेतु शब्द सीमा 75, 5 अंकों के प्रश्नों हेतु शब्द सीमा 100 और, 6 अंकों के प्रश्नों हेतु शब्द सीमा 125 शब्द हैं।

(3) प्रश्नों क्र. 6 से 20 आंतरिक विकल्पों का प्रावधान हैं।

Introductions :-

i) All questions are compulsory marks of Question are Indicated nearby every Question.

ii) Words limit of 4 marks Question is 75 for 5 marks 100 words and for Six marks 125 words.

iii) Internal options are given in questions 6 to 20.

iv) Allotted marks are written in front of the question.

खण्ड – 'अ'
(Section – 'A')

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(Objective Type Questions)

प्र.1 सही विकल्प चुनिये – **5**

1) प्रेषण पर भेजे गये माल पर स्वत्वाधिकार होता है –

अ) प्रेषक का ब) प्रेषणी का

स) क्रेता द) माल वाहक का

2) भारतीय साझेदारी अधिनियम बनाया गया है :–

अ) 1932 में ब) 1947 में

स) 1951 में द) 1991 में

3) अधिलाभ कहते हैं :–

अ) अत्यधिक लाभ को ब) आकस्मिक लाभ को

स) सामान्य लाभ को द) सामान्य लाभ पर वास्तविक लाभ के आधिक्य को

4) फर्म के पुनर्गठन की दशा में मूल्यांकित ख्याति की राशि नये नियमों के अनुसार :–

अ) फर्म की पुस्तकों में दर्शायी जाती है

ब) पुराने साझेदारों को नकद दे दी जाती है।

स) पुराने साझेदारों के चालू खाते में दर्शायी जाती है।

द) फर्म की पुस्तकों में न दर्शाकर पुराने साझेदारों के पूंजी खातों में समायोजित कर दी जाती है।

5) वसूली खातें में अन्तरित किया जाता है :–

अ) सम्पत्तियों का बाजार मूल्य ब) सम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य

स) सम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य द) सम्पत्तियों का पुस्तक मूल्य

Choose right option in the following cases :-

a) The title to goods consigned vests in :

a) Consignor b) Consignee

c) Buyer d) Carrier of goods

b) Indian partnership act has been passed in the year :–

a) In 1932 b) In 1947

c) In 1951 d) In 1991

c) Super profit is called : –

a) Abnormal profit b) Contingent profit

c) Normal profit d) Excess of actual profit over normal profit

d) The goodwill valued in reconstitution of a firm according to new rules is :-

a) Shown the books b) Paid to old partners in cash

c) Credited in the old partners current accounts

d) Adjusted in the capital accounts of partners

e) Transfer of firms assets on dissolution to realization account is made at: –

a) Market value of assets b) Actual value of assets

c) Cast price of assets d) Book value of assets

प्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : – 5

1) सामान्य हानि .... कारणों से होती है।

2) साझेदारी में .... को बांटना अनिवार्य होता है।

3) ख्याति वह सम्पत्ति है जो लाभ कमाने में .... होती है।

4) पुनर्मूल्यांकन के लाभ–हानि से .... साझेदार ही प्रभावित होते है।

5) प्रेषण खाता .... के द्वारा बनाया जाता है।

Fill in the blanks –

i) Normal loss occurs due to ________ reasons.

ii) Sharing of ________ is not compulsory for partnership.

iii) Goodwill is that assets which is ________ in earning profits.

iv) The profit or loss on revaluation is affected by ________ partners only.

v) The consignment account is prepared by ________

प्र.3 निम्नलिखित की सही जोड़ियों बनाइए :– **5**

सतम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
अ) कम्पनी द्वारा लिये जा सकने वाले ऋण की सीमा	क) कम्पनी अधिनियम एवं अन्तर्नियमों के प्रावधानों के अनुसार हो सकता है।
ब) ऋणपत्रधारी कम्पनी के प्रबन्ध में	ख) सममूल्य पर प्रीमियम मूल्य पर या बट्टा मूल्य पर
स) रजिस्टर्ड ऋण पत्रों का हस्तांतरण	ग) पार्षद सीमा नियम तथा पार्षद अन्तनियमों द्वारा निश्चित कर दी जाती है।
द) ऋणपत्रों का निर्गमन किया जा सकता है।	घ) भाग नहीं ले सकता।
इ) एक निजी कम्पनी ऋण ले सकती है।	ड.) समामेलन का प्रमाण पत्र प्राप्त होने के तत्काल बाद

Make proper match out of the following: –

i) The limit of loan to be taken by a company	a) According to the provision of company act and articles of association.
ii) A debenture holder participate in company management	b) at par, premium and discount
iii) The transferred of registered debenture	c) Is determined by its memorandum of association and article of association
iv) Debentures can be issued	d) Can not participate
iv) A private company can raise loan	e) After acquiring certificate of incorporation

प्र.4 निम्नलिखित का सत्य/असत्य में उत्तर दीजिए – 5

अ) बिक्री विवरण प्रेषणी द्वारा बनाया जाता है।

ब) साझेदारी में पूंजी लगाना अनिवार्य शर्त होती है।

स) ख्याति एक विक्रय योग्य सम्पत्ति होती है।

द) मृतक साझेदार की देय राशि प्राप्त करने का अधिकार उसके वैधानिक उत्तराधिकारी को होता है।

इ) वसूली खाता एक प्रकार का व्यक्तिगत खाता है।

Which of the following statement are true or false –

a) Account sale is prepared by the consignee

b) Contribution of capital is an essential element of partnership.

c) Goodwill is an assets which can be sold.

d) The amount due to deceased partner is paid to his legal representative.

e) Realization account is a personal account.

प्र.5 निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए :– **5**

अ) उधार माल की वसूली तथा डूबत ऋण की जोखिम सहन करने के लिये एजेण्ट की दिया जाने वाला कमीशन क्या कहलाता हैं?

ब) लाभ हानि समायोजन खाता कब खोला जाता हैं?

स) फर्म के पुनगर्ठन पर मूल्यांकित ख्याति क्या चिट्ठे में दर्शाई जानी चाहियें?

द) वसूली खाता फर्म के जीवनकाल मे कितनी बार खोला जाता हैं?

इ) वसूली खाते में फर्म की सम्पत्तियां किस मूल्य पर दर्शाई जाती हैं?

Answer the following questions in one word –

a) Which commission is paid for reading credit sale and bearing the risk of bad debts?

b) When is profit & loss adjustment account opened?

c) Should the goodwill valued on reconstitution of firm be shown in firms Balance sheet?

d) How many times the realization account is opened during.

e) At which value the assets of a dissolved firm are transferred to realization account.

खण्ड – 'ब'

(Section – 'B')

प्र.6 साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले चार नियम समझाइयें। **4**

Explain the four rules which are applicable in the absence of partnership deed.

अथवा (Or)

A और B एक फर्म में क्रमशः 3:2 के अनुपात में साझेदार है। उन्होंने 1 जनवरी 2012 से C को 1/10 भाग के लिये साझेदार बनाया तथा गारन्टी दी कि उसे लाभ के रूप में

कम से कम 20,000 के प्रतिवर्ष अवश्य मिलेंगे। A और B का परस्पर अनुपात पूर्ववत रहेगा। वर्ष 2012 में फर्म को 1,50,000 रू. का लाभ हुआ। लाभ हानि नियोजन खाता बनाइयें।

"A" and "B" are partners in the ratio of 3:2 on 1st January 2012 they admit "e" into partnership for 1/10 share in the profit with a guaranteed minimum of Rs. 20,000 per year. "A" and "B" continued to share profit between them as before. The firm earned profit of Rs. 1,50,000 during 2012 prepare profit and loss appropriation account.

प्र.7 अधिकृत पूंजी तथा चुकता पूंजी में अन्तर बताइये। (कोई चार) – **4**

Write any four difference between authorised capital and issued capital.

अथवा (Or)

"Y" लिमिटेड ने 10 रू. वाले 15,000 समता अंश जनता में निर्गमित किए। सम्पूर्ण राशि एकमुश्त प्राप्त हो गई। Y लिमिटेड कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

"Y" limited issued 15,000 shares of Rs. 10 each to the public. The whole amount due was received in the lumsum. pass necessary journal entries in the book of the "Y" limited company.

प्र.8 अंश व ऋणपत्र में चार अन्तर बताइये। – **4**

Write any four difference between share and debenture..

अथवा (Or)

सुनिल लिमिटेड ने राजीव ट्रेडर्स से 5,50,000 रू. में मशीनरी खरीदी। क्रय मूल्य के भुगतान स्वरूप कम्पनी ने राजीव ट्रेडर्स को 5,00,000 रू. के 6% ऋणपत्र 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये। सुनिल लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

Sunil limited purchased a machinery worth Rs. 5,50,000 from Rajiv Traders and issued them 6% debentures of Rs. 5,50,000 at 10% premium in consideration of the purchase price pass necessary journal entries in the book of Sunil Limited.

प्र.9 वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के किन्ही चार उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए। 4

State any four objectives of analysis of financial statement.

अथवा (Or)

चल अनुपात तथा त्वरित अनुपात में क्या अंतर हैं? (कोई चार)

What is the difference between current and quick ratio?

प्र.10 विनियोग क्रियाओं से रोकड़ आवक के चार उदाहरण दीजिए। 4

Give four example of cash inflow investing activities.

अथवा (Or)

रोकड़ बहाव विवरण का महत्व समझाइये। (कोई चार बिन्दु)

Discuss the importance of cash flow statement. (any four points)

प्र.11 कोरबा कोल कम्पनी ने 1000 टन कोयला भोपाल के भोपाल कोल स्टोर्स को 12 रू. प्रति टन की दर से प्रेषण पर भेजा। प्रेषण के सम्बन्ध में कोरबा कोल कम्पनी ने 600 रू. बीमा एवं 1300 रू. भाड़ा एवं लदान व्यय के रूप में दिये। भोपाल कोल स्टोर्स ने 200 रू. गाड़ी भाड़ा और 300 रू. गोदाम किराये के दियें। उन्होंने 760 टन कोयला 14,200 रू. में बेच दिया और इनके पास शेष 190 टन कोयला बचा। उन्होंने विक्रय विवरण भेजा, जिसमें 5% कमीशन एवं खर्च काटते हुए शेष राशि चैक द्वारा प्रेषक को भेज दी। उपर्युक्त व्यवहारों के लिए प्रेषक की पुस्तकों में निम्न खाते खोलियें :– 5

1) भोपाल प्रेषण खाता 2) भोपाल कोल स्टोर्स लेखा

Korba coal company consigned to Bhopal coal stores of Bhopal 1000 tonnes of coal @ Rs .12 per ton korba coal company paid for insurance Rs. 600 and for fright Rs. 1300 in connection with this consignment. Bhopal coal stores incurred Rs. 200 for cartage and Rs. 300 for godown rent. They sold 760 tonnes of coal for Rs. 14200 and there was a stock of 190 tonnes with them. They sent the account sale and remitted the amount by cheque to the consignor after deducting 5% commission and expenses incurred by them.

Prepare the following accounts in the books of consignor from the above details :- i) Bhopal consignment account ii) Bhopal coal stores account.

अथवा (Or)

प्रेषण तथा बिक्री में अन्तर समझाइयें। (कोई पांच)

Distinguish between consignment and sale. (any five)

प्र.12 ख्याति की पांच विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **5**

State any five characteristics of Goodwill.

अथवा (Or)

एक फर्म की पूंजी 40,000 रू. हैं और इसके पिछले तीन वर्षों का औसत लाभ 5000 य. है, यह मानते हुए कि इस प्रकार के व्यवसाय में साधारण लाभ की दर विनियोजित पूंजी की 10% उचित है। पूंजीकरण पद्धति से व्यवसाय की ख्याति ज्ञात कीजिए।

The capital of a firm is Rs. 40,000 and its average profit for the last three year was Rs. 5,000 Assuming that the normal rate of return is fair at 10% on capital employed in such a business, find out the value of goodwill by capitalization method.

प्र.13 जय व शशांक साझेदार है, जो क्रमशः 3/5 व 2/5 के अनुपात में लाभ विभाजन करते है। उनका स्थिति विवरण निम्नलिखित है :– **5**

दायित्व	रू.	सम्पत्तियां	रू.
पूंजी : जय	2,000	रोकड़	650
शंशाक	1,000	देनदार 1000	
लेनदार	400	घटाया : संचय 400	600
		स्टॉक	1,500
		यंत्र	650
	3,400		**3,400**

उन्होंने उमेश को इस शर्त पर कि वह व्यापार में 1,000 रू. ख्याति के तथा नये फर्म की पूंजी का 1/3 भाग प्राप्त करने के लिए यथेष्ट पूंजी देगा, फर्म में प्रवेश देने का निश्चय किया। यह भी निश्चित किया कि डूबत ऋण के लिए संचय 100 रू. रखा जाए, स्टॉक 2,000 रू. पर पुनः मूल्यांकित किया जाए एवं यन्त्र का मूल्य 500 रू. कर दिया जाए। पुनर्मूल्यांकन खाता एवं साझेदारों के पूंजी खातें बनाइए।

Jay and Shashank are partners sharing profit in the ratio of 3/5 and 2/5 respectively. Their balance sheet is as follows :-

Liabilities	**Rs.**	**Assets**	**Rs.**
Capital jay Shashank Creditors	 2000 1000 400	Cash Debtors 1000 Less-Reserve 400 Stock Machinery	650 600 1,500 650
	3,400		3,400

They decided to admit Umesh in the firm on the condition that he will pay Rs. 1000 for goodwill and sufficient capital for getting 1/3 share in the profit of the new firm. It was also decided (i) to reduce the bad debts reserve to Rs. 100 (ii) to revalue the stock at Rs. 2000 and (iii) to reduce the value of machinery to Rs. 500 Prepare Revaluation account and partners capital account.

अथवा (Or)

A, B तथा C 3:2:1 के अनुपात में लाभ हानि विभाजन करते है। A 1 जनवरी 2007 से अवकाश ग्रहण करता है। फर्म में उसके भाग का मूल्य 20,000 रू. आंका गया है। साझेदारी ठहराव के अनुसार A के जीवनकाल में उसे 3000 रू. की वार्षिकी प्रत्येक वर्ष की पहली जनवरी को दी जायेगी। शेष राशि पर 6% वार्षिकी की दर से ब्याज दिया जायेगा। 1 जनवरी 2008 को प्रथम भुगतान किया गया और तत्पश्चात प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी को चौथी वार्षिकी पाने के तुरन्त बाद A की मृत्यु हो गई। A के हित का भुगतान करने हेतु एक वार्षिकी उचन्त खाता बनाइये।

A, B and C were partners in the ratio of 3:2:1 on 1st January 2007 be paid to the partnership agreement, an annuity of Rs. 3000 will be paid to him on 1st January of each and interest @ 6% per annum will be paid on the balance. The first payment was made on 1st January 2008. After receiving the fourth annuity, A died. Prepare an account regarding payment to A.

प्र.14 कम्पनी की पांच विशेषताएं लिखिए। **5**

Write any five characteristics of company.

अथवा (Or)

समता अंश तथा पूर्वाधिकार अंश में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Write any five difference between equity shares and preference shares.

प्र.15 चालू दायित्व में कौन–कौन सी मदें शामिल की जाती है? (कोई पांच लिखिए) **5**

What are included in current Liabilities? (Write any five)

अथवा (Or)

कम्पनी के चिट्ढे में सम्पत्ति पक्ष में निम्न मदों के शीर्षक बताइये :–

1) यन्त्र एवं मशीनरी
2) पेटेन्ट ट्रेडमार्क
3) हिन्दुस्तान लीवर में अंश
4) विविध देनदार
5) प्राप्य विपत्र

Under what heads the following items will be shown on the assets side of the Balance sheet of a company :-

i) Plant and Machinery
ii) Patents and trade marks
iii) Shares in Hindustan Lever
iv) Sundry debtors
v) Bill receivable .

प्र.16 A तथा B ने 31 दिसम्बर 2011 को फर्म के विघटन का निर्णय लिया। इस तिथि को फर्म का चिट्ठा निम्न प्रकार था :– 5

चिट्ठा

दायित्व	रू.	सम्पत्तियां	रू.
लेनदार ए का ऋण पूंजी ए – 40,000 बी – 20,000	12,000 16,000 60,000	रोकड़ देनदार स्टॉक यंत्र ख्याति	2000 10,000 40,000 28,000 8,000
	88,000		88,000

वे पूंजी के अनुपात में लाभालाभ विभाजन करते हैं। देनदारों से 8,400 रू., स्टॉक से 36,000 रू. यंत्र से 22,400 रू. तथा ख्याति से 12,000 रू. वसूल हुए। लेनदारों को 5% बट्टे पर पूर्ण भुगतान कर दिया गया। समापन व्यय 1200 रू. हुए। वसूली खाता व साझेदारों के पूंजी खाते बनाइये।

"A' and "B" decided to dissolve the firm on 31st December 2011. Their balance sheet was as under :-

Balance Sheet

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Creditors A' Loan Capital A- 40000 B – 20000	12,000 16,000 60000	Cash Debtors Stock Plant Goodwill	2,000 10,000 40,000 28,000 8,000
	88000		88000

They shared profit and losses in the ratio of their capitals debtors realised Rs. 8400, stock realised Rs. 36000 and plant realised Rs. 22400. Goodwill realised Rs. 12000. The creditors were paid off 5% less than the book value in full settlement dissolution expenses amounted to Rs. 1200. Prepare realisation account and partners capital accounts.

अथवा (Or)

पुनर्मूल्यांकन खाते तथा वसूली खाते में अन्तर बताइये। (कोई छः)

State any six difference between revaluation account and realisation account.

प्र.17 एक कम्पनी ने 10 रू. वाले 12,000 अंश जारी किये। इस सम्बन्ध में 2 रू. आवेदन पर 4 रू. आवंटन पर एवं 4 रू. प्रथम एवं अन्तिम याचना पर देय है। सभी राशियां यथा समय प्राप्त हो गई। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल संबंधी लेखे कीजिए। **5**

A company issued 12000 shares of Rs. 10 each. The amount of shares was payable as Rs. 2 on application Rs. 4 on allotment and Rs . 4 on first and final call. All money have been duly received. Pass the necessary journal entries in the book of the company.

अथवा (Or)

एक्स लि. ने 10 रू. वाले 10,000 अंश निर्गमित किये। आवेदन पर 2 रू. प्रति अंश, आवंटन पर 3 रू. प्रति अंश तथा प्रथम याचना पर 2 रू. प्रति अंश दिये है। 300 अंशों के एकधारी राजेश ने प्रथम व द्वितीय याचना की राशि नहीं चुकाई। अतः द्वितीय याचना की राशि नहीं चुकाई। अतः द्वितीय याचना के बाद उसके अंश जब्त कर लिये गये। कम्पनी की पुस्तकों में जब्ती से सम्बंधित जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

X Ltd. issued 10,000 shares of Rs. 10 each payable Rs. 2 per share on application Rs. 3 per share on allotment and Rs. 2 on first call Rajesh a holder of 300 shares, failed to pay first and second call money. His shares were forfeited after second call. Make journal entries for forfeited shares in the book of company.

प्र.18 एक कम्पनी ने दूसरी कम्पनी से 99000 के पुस्तक मूल्य की सम्पत्तियों क्रय की। **6**

यह सहमति हुई कि 100 रू. वाले 11% ऋणपत्रों के निर्गमन द्वारा क्रय मूल्य का भुगतान किया जायेगा। यह मानते हुए कि ऋणपत्र 1) सममूल्य पर 2) 10% कटौती पर 3) 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये गये। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए?

A company purchased assets work Rs. 99,000 from another company. It was agreed that the purchase consideration be paid by issuing 11% debenture of Rs. 100 each. Give necessary journal entries. If the debenture are issued.

i) At par ii) at 10% discount iii) at 10% premium

अथवा (Or)

ऋणपत्रों की विशेषताएं बताइए। (कोई छः)

Write any six characteristics of debentures.

प्र. 19 लेखांकन अनुपातों का महत्व बताइये। (कोई छः बिन्दु) **6**

State any six Importance of accounting ratios.

अथवा (Or)

लेखांकन अनुपातों की सीमाएं बताइए। (कोई छः बिन्दु)

State any six limitations of accounting ratios.

प्र. 20 रोकड़ बहाव विवरण का महत्व बताइये। (कोई छः बिन्दु) **6**

State any six importance of cash flow statement.

अथवा (Or)

रोकड़ बहाव विवरण तथा रोकड़ बजट में अन्तर बताइये। (कोई छः)

Write any six differences between Cash Flow statement and cash Budget.

<u>आदर्श उत्तर</u>

खण्ड (अ)

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :–</u>

उत्तर. 1 सही विकल्प (प्रत्येक सही पर 1 अंक)

अ. 1) प्रेषक का

ब. 1) 1932 में

स. 4) सामान्य लाभ पर वास्तविक लाभ के आधिक्य को

द. 4) फर्म की पुस्तकों में न दर्शाकर पुराने साझेदारों के पूंजी खातों में समायोजित कर दी जाती है।

इ. 4) सम्पत्तियों का पुस्तक मूल्य

उत्तर 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :– (प्रत्येक सही पर 1 अंक)

1. प्राकृतिक
2. हानि
3. सहायक
4. पुराने
5. प्रेषक

उत्तर 3 सही जोड़ियाँ (प्रत्येक सही पर 1 अंक)

''अ''	**''ब''**
1.	सी
2.	डी
3.	ए
4.	बी
5.	ई

उत्तर 4 सत्य/असत्य (प्रत्येक सही पर 1 अंक)

1. सत्य
2. असत्य
3. सत्य
4. सत्य
5. असत्य

उ. 5 एक शब्द में उत्तर (प्रत्येक सही पर 1 अंक)

1. परिशोध कमीशन
2. साझेदार के प्रवेश, निवृत्ति या मृत्यु
3. नही
4. एक बार
5. पुस्त मूल्य पर

उ. 6 साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले नियम :– (प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक)

1. पूंजी पर ब्याजः– नहीं दिया जायेगा।
2. अतिरिक्त पूंजी (ऋण) पर ब्याज :– 6% प्रतिवर्ष की दर से भुगतान
3. लाभ '–हानि का विभाजन : समान अनुपात में
4. पारिश्रमिक :– नहीं दिया जाता है।

अथवा

Profit & loss appropriation A/c for the year ended

Liabilities	**Rs.**	**Assets**	**Rs.**
To Net Profit A 78,000 B 52,000 C 20,000	1,50,000	By Bal bid	1,50,000
	1,50,000		1,50,000

नया अनुपात :– A B नया साझेदार C -1/10

3 : 2

फर्म का लाभ = $1 - \frac{1}{10} = \frac{10-1}{10} = \frac{9}{10}$

सी को लाभ अनुपात देने पर रू.

ए को नया अनुपात $\frac{3}{5} X \frac{9}{10} = \frac{27}{50}$

बी का नया अनुपात $\frac{2}{5} X \frac{9}{10} = \frac{18}{50}$

सी का अनुपात $\frac{1}{10} X \frac{5}{5} = \frac{5}{50}$

शुद्ध लाभ का विभाजन

A = $1,50,000 \ X \frac{27}{50}$ = 81,000

B = $1,50,000 \ X \frac{18}{50}$ = 54,000

C = $1,50,000 X \frac{5}{50}$ = 15,000

समझौते के अनुसार सी को ग्यारन्टी के आधार पर शेष (20000–15000) = 5000 का भुगतान ए और बी अपने 3:2 के अनुपात में करेंगे। अतः :–

A = $5,000 \ X \frac{3}{5}$ = 3000/-

B = $5,000 \ X \frac{2}{5}$ = 2,000/-

अतः –

ए का शुद्ध लाभ = 81000–3000 = 78000 रू.

बी का शुद्ध लाभ = 54000–2000 = 52000 रू.

उ. 7 अधिकृत पूंजी और चुकता पूंजी में अन्तर के आधार –

1. अर्थ	सीमानियम में उल्लेखित	जिसका भुगतान कम्पनी को प्राप्त है।
2. निर्धारण	वर्तमान तथा भावी आवश्यकता	वर्तमान आवश्यकताओं
3. घोषणा	पार्षद सीमानियम में	घोषणा नही की जाती है।
4. परिवर्तन	पार्षद सीमा नियम में संशोधन जरूरी	संशोधन जरूरी नहीं

अथवा

Journal entries in the book of “Y” Ltd. :-

Date	Particulars	LF	Amount	Amount
1	Bank A/c Dr. To equity share holders A/c (Being amount of shares received)		1,50,000	 1,50,000
2	Equity share holder’s A/c Dr To share capital A/c (Being amount of share due)		1,50,00	 1,50,000
			3,00,000	3,00,000

उ. 8 अंश व ऋणपत्र में अन्तर के आधार –   (प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक)

अंतर का आधार	अंश	ऋण पत्र
1. परिभाषा	अधिकृत पूंजी के छोटे–2 भाग	सार्वमुद्रा के अधिन दिया गया प्रमाण पत्र
2. प्रतिफल	प्रतिफल लाभांश	प्रतिफल ब्याज
3. प्रकार	1) पूर्वाधिकार 2) समता	अनेक प्रकार
4. भुगतान	कम्पनी के जीवन काल में नहीं है	अनुबंध के तहत निश्चित अवधि पर

अथवा

Journal entries in the book of Sunil Ltd.

Date	Particulars	LF	Dr. Amount	Cr. Amount
1	Machinery A/c Dr. To Rajiv Traders (Being Machinery purchased from Rajiv Traders)		5,50,000	 5,50,000
2	Rajiv Traders Dr. To 6% debenture A/c To securities Premium A/c (being issue of Rs. 5,00,000 debetures at 10% premium)		5,50,000	 5,00,000 50,000
			11,00,000	11,00,000

(प्रति प्रविष्टि 2 अंक)

उ.9 वित्तीय विवरणों को विश्लेषण के उद्देश्य :– **(प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक)**

1. वित्तीय दशा का अध्ययन किया जाता है।
2. प्रबन्ध दक्षता का अध्ययन सम्भव हो जाता है।
3. व्यवसाय की प्रवृत्तियों का अध्ययन के आधार पर तुलना की जाती है।
4 ब्याज तथा लाभांश के भुगतान की क्षमता का अध्ययन किया जा सकता है।

अथवा

चल अनुपात व त्वरित अनुपात में अन्तर :–

1. व्यवसाय की उपार्जन शक्ति का पता लगाना
2. दायित्वों का भुगतान
3. आदर्श स्थिति
4. शोधन क्षमता की माप

उ.10 विनियोग क्रियाओं से रोकड़ आवक के उदाहरण :– (प्रत्येक उदाहरण पर 1 अंक है।)

1. स्थायी तथा अदृश्य सम्पत्तियों के विक्रय से प्राप्तियां
2. अंशों तथा ऋणपत्रों के विक्रय से प्राप्तियाँ
3. अन्य पक्ष को दिये गये ऋण तथा अग्रिम के ब्याज की प्राप्तियां
4. अन्य उपक्रमों में विनियोग से लाभांश के रूप में प्राप्तियां

अथवा

रोकड़ बहाव विवरण का महत्व :– **(प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक है।)**

1. रोकड़ की स्थिति का मूल्यांकन करना आवश्यक है।
2. भावी आवश्यक रोकड़ की जानकारी प्राप्त करने में सहायक है।
3. अल्पकालीन वित्तीय विश्लेषणों में सहायक हो जाती है।
4. रोकड़ के फेर का ज्ञान आसानी से हो जाता है।
5. तुलनात्मक विवेचना करने से सहायक सिद्ध है।

उ.11 In the book of Korba coal company. **(4+2)**

Bhopal consignment A/c

Date	Particulars	Amount	Date	Particulars	Amount
	To goods sent on consignment (1000X12) To cash A/c (Insurance) (Freight) To Bhopal coal storage Cartage 200 Godown rent 300 Commission 710 To profit	12,000 600 1300 1210 1910		By Bhopal coal Co.(Sale proceeds) 760 ton By stock with agent 12000X190/950=2400 Add : Exp. 2100X190/950=420	14,200 2820
		17020/-			17020/

Bhopal Coal Stores Account

Date	Particulars	Amount	Date	Particulars	Amount
	To Consignment A/c	14,200/-		By Bank A/c Cartage 200 Godoun 300 Commission 710 By Bank	1210 12990
		14200/-			14200/-

उ.12 **ख्याति की विशेषताएँ –** (प्रति विशेषता 1अंक)

1. स्थायी सम्पत्ति :– एक स्थायी सम्पत्ति है।
2. विक्रय योग्य सम्पत्ति :– इसे विक्रय भी किया जा सकता है।
3. ह्मस नही लगाया जाता है :– ख्याति पर ह्मस नहीं लगाया जाता है।
4. मूल्य में उतार चढ़ाव हो सकता है:– मूल्य मे उतार चढ़ाव सम्भव है।
5. ख्याति पुस्तकों में अधिक वर्षो तक नही दिखाना चाहिए।

अथवा

विनियोजित पूँजी पर सामान्य लाभ :– (2 + 2)

$$= 40{,}000 \times \frac{10}{100} = 4{,}000$$

वास्तविक औसत लाभ = 5,000

अधिलाभ = वास्तविक औसत लाभ – सामान्य लाभ

= 5,000 - 4,000

= 1000

ख्याति का मूल्य = $\frac{\text{अधिलाभ} \times 100}{\text{दर}}$

$= \frac{1000 \times 100}{10}$

= 10,000 ख्याति मूल्य

उ.13 **Revaluation A/c** **(2+2+1)**

Particulars	**Amount**	**Particulars**	**Amount**
To Machinery A/c	150	By Debtors	300
To Profit Jay's Capital A/c 390 Shashank's Capital A/c 260	650	By Stock	500
	800/-		**800/-**

Partners Capital A/C –

Date	Particulars	Jay	Shashank	Umesh	Date	Particulars	Jay	Shashank	Umesh
Dec. 31	To Bal c/d	2990	1660	2325	Jan. 1 Dec. 31	By Bal. bid By Revaluation By Goodwill By Cash	2000 390 600	1000 260 400	- - 2325
		2990	**1660**	**2325**			**2990**	**1660**	**2325**

उमेश फर्म में 1/3 भाग के लिये आ रहा है।

अतः $1 - \frac{1}{3} = \frac{2}{3}$ भाग जय और शकांक का भाग है, उनकी पूँजी –

2990 + 1660 = 4650

फर्म की कुल पूँजी = $\frac{4650 \times 3}{2} = 6975$

अतः उमेश की पूँजी = $6975 \times \frac{1}{3}$

= 2325

अथवा

Annuity Suspense A/c

Date	Particulars	Amount	Date	Particulars	Amount
2007 Dec.	To Bal c/d	21,200	2007 Jan.1 Dec 31	By Bal b/d By P & L a/c 20,000X6% Int.	20,000 1,200
		21,200			21,200
2008 Jan. 1 Dec. 31	To Cash a/c To Bal a/c	3,000 19292	2008 Jan. 1 Dec. 31	By Bal. b/d By P & L a/c 18200X6% Int.	21,200 1092
		22,292			22,290
2009 Jan. 1 Dec. 31	To Cash a/c To Bal. c/d	3,000 17,270	2009 Jan. 1 Dec. 31	By Bal. b/d By P & L a/c	19,292 978
		20,270			20,270
2010 Jan. 1 Dec. 31	To Cash a/c To Bal. c/d	3,000 15,126	2010 Jan. 1 Dec. 31	By Bal. b/d By P & L a/c	17,270 856
		18,126			18,126

2011 Jan. 1 -	To Cash a/c To Bal. Capital a/c To c/s Capital a/c	3,000 8084 4042	2011 Jan. 1	By Bal. b/d	15,126
		15,126			15,126

(प्रति विशेषता 1अंक)

उ.14 **कम्पनी की विशेषताएँ :–**

1. **कृत्रिम व्यक्ति** – कृत्रिम व्यक्ति के रुप में कार्य करती है।
2. **सीमित दायित्व** – कम्पनी का दायित्व अधिनियम तक सीमित होता है।
3. **पृथक वैद्यानिक अस्तित्व** – इसका अस्तित्व पृथक होता है।
4. **स्थाई उत्तराधिकार** – स्थाई उत्तारधिकार प्राप्त होता है।
5. **अंशों का हस्तांतरण** – अंशों का हस्तांतरण किया जाता है।

अथवा

समता अंशा तथा पूर्वाधिकार अंश में अंतर :– (प्रति बिन्दु 1 अंक)

अन्तर का आधार	**समता अंश**	**पूर्वाधिकार अंश**
1) लाभांश की दर	लाभांश की दर अनिश्चित रहती है।	लाभांश की दर निश्चित रहती है।
2) विशिष्टता	यह साधारण अंश है।	यह विशिष्ट अंश है।
3) मताधिकार	इन्हें मत देने का अधिकार है।	इन्हे मत देने का अधिकार नही है।
4) जोखिम	इसमें जोखिम अधिक रहती है।	इसमें जोखिम कम रहती है।
5) स्वामित्व	यह वास्तविक स्वामी होते है।	यह वास्तविक स्वामी नही होते हैं।

उ.15 **चालू दायित्व :–** (प्रति उदाहरण 1अंक)

1) देय विपत्र
2) विविध लेनदार
3) न मॉगा गया लभांश प्रावधान
4) करों के लिये प्रावधान
5) प्रस्तावित लाभांश
6) प्रॉविडेन्ट फण्ड

अथवा

चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में निम्न मदों के शीर्षक :– (प्रति शीर्षक 1 अंक)

स्थायी सम्पत्तियाँ :– 1) यन्त्र व मशीनरी
2) पेटेन्ट ट्रेडमार्क

विनियोग :– 1. हिन्दुस्तान लीवर में अंश

चालू सम्पत्तियाँ :– 1) विविध देनदार
2) प्राप्य विपत्र

उ.16 **Realisation A/c :-** **(4+2)**

Particulars	**Amount**	**Particulars**	**Amount**
To Debtors	10,000	By Creditars	12,000
To Stock a/c	40,000	By Cash a/c	
To Plant a/c	28,000	Debtors 8,400	
To Goodwill a/c	8,000	Stock 36,000	
To Cash a/c	12,600	Plant 22,400	
Creditors 11,400		Goodwill 12,000	78,800
Expenses 1,200		By Loss	
		A's Capital a/c 5200	
		B's Capital a/c 2600	7,800
	98,600		**98,600**

Partners Capital A/C –

Date	Particulars	A	B	Date	Particulars	A	B
2007 Dec. 31	To Realisation a/c To Cash a/c	5200 34800	2600 17400	2007 Jan.	By Bal. b/d	40,000	20,000
		40,000	**40,000**			**40,000**	**40,000**

अथवा

पूर्नमूल्यांकन खाता तथा वसूली खाते में अन्तर :– (प्रति बिन्दु 1 अंक)

अन्तर का आधार	पुनर्मूल्यांकन खाता	वसूली खाता
1) निर्माण	उसका निर्माण साझेदारी के प्रवेश व निवृत्ति पर किया जाता है।	उसका निर्माण साझेदारी के विघटन पर किया जाता है।
2) आवश्यकता	साझेदारी के दायित्व या सम्पत्ति के मूल्यों में कमी या वृद्धि का लेखा करने हेतु इसे बनाया जाता है।	सम्पत्तियों एवं दायित्वों के लेखों को अंतिम रुप से बन्द करने के लिये बनाया जाता है।
3) व्यय	पुनर्मूल्यांकन पर कोई व्यय नहीं होता है।	वसूली पर व्यय किये जाते हैं।
4) खातों की स्थिति	सम्पत्ति एवं दायित्व खाते खुले रहते हैं।	सम्पत्ति एवं दायित्व खाते अन्तिम रुप में बन्द हो जाते हैं।
5) खाते की बारम्बारता	पुनर्मूल्यांकन खाते फर्म के जीवन काल में कई बार खोले जाते हैं।	वसूली खाता फर्म के जीवनकाल में एक बार ही खोला जाता है।
6) लाभ–हानि का हस्तांतरण	पुनर्मूल्यांकन में होने वाला लाभ–हानि पुराने साझेदारों के पूँजी खातों में हस्तांतरित होता है।	वसूली खाते का लाभ–हानि सभी साझेदारों के पूँजी खाते में हस्तांतरित किया जाता है।

उत्तर–17 **Journal Entries -** (प्रति प्रविष्टी 1 अंक)

Date	Parciculars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
1.	Bank A/c Dr. To Share Application a/c (Being application money received)		24,000	 24,000
2.	Share Application a/c Dr. To Share Capital a/c (Being application money transfers)		24,000	 24,000
3.	Share Allotment a/c Dr. To Share Capital a/c (Being allotment money due)		48,000	 48,000
4.	Bank A/c Dr. To Share Allotement a/c (Being allotment money received)		48,000	 48,000
5.	Share first and final call a/c Dr. To Share Capital a/c (Being first and final call money due		48,000	 48,000
6.	Bank A/c Dr. To Share Allotement a/c (Being allotment money received)		48,000	 48,000
	Share first and final call a/c Dr. To Share first and final call a/c (Being first and final call money rec.		48,000	 48,000

अथवा

Journal Entries - (4 + 2)

Date	Parciculars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
1.	Share Capital a/c Dr. To Share First call a/c To share Second call & Final call To Share forfeited (Being forfeiture of share for non payment of calls)		3,000	 600 900 1500
2.	Share forfeited a/c Dr. To Capital Reserve (Being forfeited amount transfer in to capital reserve)		1500	 1500

उत्तर–18 **Journal Entries -** (1 + 1 + 2 + 2)

Date	Parciculars	L. F.	Amount Dr.	Amount Cr.
1.	Sundry Assets a/c Dr. To Vendor's a/c (Being assets purchased)		99,000	 99,000
2.	Vendor's a/c Dr. To 11% Debentures a/c (Being11% debentures issued at per)		99,000	 99,000
3.	Vendor's a/c Dr. Discount on 11% debentures a/c To 11% debentures (Being 1100 debentrures issued at discount)		99,000 11,000	 110,000
4.	Vender's a/c Dr. To 11% debentures a/c To Premium on 11% debentures a/c (Being 900 debentures issued at primium)		99,000	 90,000 9,000

अथवा

ऋण पत्र की विशेषताएँ :– (प्रति बिन्दु 1 अंक)

1) **प्रमाण** – ऋणपत्र कम्पनी द्वारा लिये गये ऋण के बदले ऋणदाता को प्रमाण स्वरुप दिया गया एक प्रलेख है।

2) **सार्वमुद्रा** – ऋणपत्र कम्पनी की सार्वमुद्रा के अधीन निर्गमित किये जाते हैं।

3) **ब्याज की दर** – ऋणपत्र पर निश्चित दर से ब्याज का भुगतान किया जाता है।

4) **निर्गमन** – ऋणपत्र अ निर्गमन समतुल्य पर बट्टे पर और प्रीमियम पर कियाजाता है।

समान होती है।

5) **निर्गमन** – ऋणपत्र के निर्गमन की विधि, अंश निर्गमन की विधि के समान होती है।

5) **भुगतान की प्राथमिकता** – कम्पनी के समापन की दशा में ऋणपत्रों के भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है।

उ.19 **लेखांकन अनुपातों का महत्व :–** (प्रति बिन्दु 1 अंक)

(1) व्यावसायिक उपक्रम की सामर्थ्य का पता लगाने में सहायक – इससे हम व्यवसाय की वित्तीय शक्ति, क्षमता एवं सुदृढ़ता के विभिन्न पहलुओं का पता लगा सकते है।

(2) तुलनात्मक अध्ययन में सहायक – विभिन्न वर्षो के कार्य निष्पादन की तुलना करने तथा ऑकडों की प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त करने में सहायक है।

(3) समस्याग्रस्त क्षेत्रों का पता लगाने में सहायक – विभिन्न लेखांकन अनुपातों के आधार पर हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि व्यवसाय के किस क्षेत्र में अधिक समस्या है।

(4) व्यावसायिक निर्णयों के औचित्यकी जॉच – विभिन्न अवसरों पर विभिन्न बातों के बारे में प्रबन्ध द्वारा लिये गये निर्णयों के प्रभाव की जॉच लेखांकन अनुपात के विश्लेषण से सम्भव है।

(5) अन्य व्यवसायों की तुलना में सहायता – लेखांकन अनुपात न केवल आन्तरिक तुलनात्मक विश्लेषण में सहायक होते हैं, अपितु अन्य व्यवसाय की तुलना में भी सहायक है।

(6) व्यवसाय की प्रवृत्ति का ज्ञान होता है – अनुपात विश्लेषण की सहायता से हम व्यवसाय में लागत, विक्रय, लाभ आदि का भी पता लगा सकते हैं।

अथवा

लेखांकन अनुपात की सीमाएं :–

1. असत्य परिणामों का खतरा –

यदि वित्तीय विवरण स्वयं ही सही नही हो तों उनके आधार पर निकाले गये अनुपात भी सही नही होगें।

2. कीमत स्तर में परिवर्तन –

अनुपात की गणना करते समय कीमत स्तर में होने वाले परिवर्तनों पर ध्यान नही दिया जाता है।

3. लेखांकन विधि में भिन्नताएं –

लेखांकन नीतियों में भिन्नता होने के कारण वित्तीय विवरणों की सही–सही तुलना संभव नहीं हो पाती है।

4. पूर्वानुमान व्यावहारिक नही होना –

भावी प्रवृत्तियों का पूर्वानुमान केवल ऐतिहासिक विश्लेषण के आधार पर लगाया जाता है जो व्यावहारिक नही है।

5. आदर्श अनुपातों की सर्वमान्यता का अभाव –

आदर्श अनुपातों का मानक निर्धारित करने वाली सर्वमान्यता की माप की निश्चित छड़ी नहीं है।

6. एक तरफा विश्लेषण –

लेखांकन अनुपात मुख्य रुप से मात्रात्मक विश्लेषण का प्रतिनिधित्व करते हैं, गुणात्मक विश्लेषण नहीं।

उ.20 रोकड़ बहाव विवरण का महत्व (प्रत्येक बिन्दु 1 अंक) ?

1. रोकड़ की स्थिति का मूल्यांकन :–

यह व्यवसाय रोकड़ की स्थिति का आंकलन करने में बहुत सहायक होता है।

2. भावी आवश्यक रोकड़ की जानकारी :

भविष्य में वित्तीय क्रियाओं की योजना बनाने तथा सामंजस्य स्थापित के लिये आवश्यक जानकारी रोकड़ बहाव विवरण से प्राप्त की जा सकती है।

3. रोकड़ के फेर का ज्ञान :–

रोकड़ बहाव विवरणसे रोकड़ के फर की जानकारी मिलती है।

4. तुलनात्मक विवेचना :–

व्यावसायिक उपक्रम के अल्पकालीन दायित्वों का त्वरित भुगतान कर सकने की योग्यता से है। इसका अनुमान रोकड़ बहाव विवरण की सहायता से आसानी से लग सकता है।

5. तरलता का अनुमान :–

रोकड़ प्राप्ती व भुगतान का अनुमान रोकड़ बहाव विवरण की सहायता से लगाया जा सकता है।

6. वित्तीय नियंत्रण :–

रोकड़ बहाव विवरण वित्तीय नियंत्रण के लिये अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है।

अथवा

रोकड़ बहाव व रोकड़ बजट में अन्तर :–

अन्तर का आधार	रोकड़ बहाव	रोकड़ बजट
1) निर्भरता	पिछले वर्ष के समंकों पर निर्भर रहता है।	भविष्य के लिये अनुमानित संमकों पर निर्भर रहता है।
2) स्थिति का प्रदर्शन	रोकड़ की विद्यमान स्थिति प्रदर्शित की जाती है	भविष्य की रोकड़ संबंधी आवश्यकता प्रदर्शित की जाती है।

3) विश्लेषण की प्रकृति	पिछली वित्तीय स्थिति का विश्लेषण किया जाता है।	भावी वित्तीय स्थिति एवं नियोजन को ध्यान में रखा जाता है।
4) तैयार करना	यह दो तिथियों के चिट्टे के आधार पर तैयार किया जाता है।	पूर्वानुमान के आधार पर तैयार किया जाता है।
5) प्रयोजन	पिछले वर्षों में किये गये व्यवहारों के आधार पर उपक्रम की वित्तीय कुशलता या अकुशलता का आकलन करना है।	मुख्य प्रयोजन भावी दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन वित्तीय आवश्यकता एवं स्त्रोतों का आकलन करना है।
6) अन्तर की गणना	रोकड़ आवक, जावक के अन्तर की गणना सम्भव है।	इसमें अन्तर की गणना करना सभंव नहीं है।